

सिटी आस-पास संदेश

जय श्री राम... हर हर महादेव जयकारा लगाते निकाली कलश यात्रा, पार्थिव शिवलिंग निर्माण का किया श्री गणेश

बारा विधायक ने भगवान् श्री राम की मूर्ती का किया अनावरण, 26 उपकेंद्रों पर निर्माण कार्य शुरू

अखंड भारत संदेश



धूरपुर। बहुप्रतीक्षित अब तक का देश का सबसे बड़ा कार्यक्रम 11कोड़े पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण और मुझउन कार्यक्रम का श्री गणेश सेमोवार को भवत्या पूर्ण विश्वाल कलश यात्रा निकालने के साथ ही कार्यक्रम का श्री गणेश किया गया। सर्व प्रथम सुजावन देव विश्व भगवान् श्री राम की मूर्ती का अनावरण बारा विधायक डा. वाचस्पति ने किया। इसके बाद धूरपुर के ग्राम लीला मैदान पर कार्यक्रम के अधिकारी स्वामी विश्वसेर महराज जी, श्री राम दास महराज जी (वापू, जी) उत्तरवाच, विनय सिंह राट्टीय मृत्ती भानु गुट, बारा विधायक डा. वाचस्पति ने किया। इसके बाद धूरपुर के ग्राम लीला मैदान पर कार्यक्रम के अधिकारी स्वामी विश्वसेर महराज जी, श्री राम दास महराज जी ने एक अनावरण का किया अनावरण, 26 उपकेंद्रों पर निर्माण कार्य शुरू किया। प्रथम दिन भंडारे का आयोजन

लुकुक रहा तापमान, अने बाले दिनों में सर्दी ढायेगी सितम

बारा। नववर का महीना खत्म होने को है लेकिन अब तक लोग सुख और रात में ही सर्दी महसूस कर रहे थे, लेकिन वीते दो तीन दिनों से मौसम में बदलाव आया है और मौसम का नियाज तेजी से बदल रहा है और सुख सर्दी में थोड़ी अपरवानी वीमान से बदली है। दिन और रात के तापमान में गिरावट लगातार जारी है। रात में पांचे की जरूरत न के बाबर ही गई है, अब रात के साथ-साथ दिन में भी ठंडे बढ़ने लगते हैं। सर्द बाहों के बाले सुख से लोग दिनुन महसूस करते रहे। मौसम विश्वाज्ञानी के सुखाविक अगले तीन दिनों में तापमान में अपर गिरावट हो सकती है कौहरे का असर भी बढ़ा रहा है और उपचारी वीमान से बदलाव से बीमारियों का प्रकोप भी बढ़ा है सर्दी, खांसी, बुखार के मरीजों में वृद्धि हो रही है। माना जाता है कि जिस दिन में निर्माण कार्य को कार्यक्रम के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं राम किशुन पटेल को महादेव बनाए जाने पर वीर बधाई दी गई। हर्ष व्यक्त वीर बधाई द्वारा उपचार को नहीं कहा कि इससे कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा है। इनके नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी निश्चित रूप से आगे बढ़े हैं और गांधी और मूर्जुती मिलेंगी। इसके लिए श्री शंखराम से नेतृत्व को बधाई दी गई। मनीष मिश्र एवं राम किशुन पटेल कर्मठ इमानदार और न्यूनतम तापमान के बीच काफी अंतर होने से दिक्कतें बढ़ रही हैं। अस्पताल में रेसे मरीजों की संख्या में लातारा बुझौरी ही घाटक हो सकती है बच्चों और बुजुर्गों पर ही दिन में अधिकतम और न्यूनतम तापमान के बीच काफी अंतर होने से दिक्कतें बढ़ रही हैं। अस्पताल में रेसे मरीजों की संख्या में लातारा बुझौरी ही घाटक हो सकती है बच्चों और बुजुर्गों का विशेष खाल रखें गर्म कार्डिओं से उक्ता शरीर ढके सिर पर टोपी व पैरों पर जूता जोड़ा जाए है और खाने के लिए ना दे।

आश्रम पद्धति कालेज में सविधान दिवस समारोह कार्यक्रम आयोजित

करचना। राजसीय आश्रम पद्धति इंटर कालेज खार्ड करचना। प्रयागराज में सविधान दिवस के असर पर प्रधानाचार्य श्री मत्येन्द्र नाथ विपाठी एवं समस्त शिक्षकों एवं छात्रों द्वारा सविधान शिल्पी बाबा साहब भीमसंग अवृद्धक गांधी जी एवं मासरवती के चित्र पर माल्यांपण कर्याक्रम की ओपाचारिक रूप से शुरूआत की गयी, सविधान के प्रस्तुतवान की साथ प्रधानाचार्य, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्रों ने ली कार्यक्रम की प्रार्थी श्रीमती विश्वा ने सविधान के निर्माण एवं विश्वाचार पर विश्वाचार के चारों हाथों ने जीर्ण वासियों के द्वारा कहा की मौसम में बदलाव से बीमारियों का प्रकोप भी बढ़ा है सर्दी, खांसी, बुखार के मरीजों में वृद्धि हो रही है। माना जाता है कि जिस दिन भी निर्माण कार्य को कांग्रेस पार्टी का प्रदेश उपाध्यक्ष एवं राम किशुन पटेल को महादेव बनाने की उपलब्धि देते हुए अपर गिरावट करते हैं। अप्रत्यक्ष असर भी बढ़ा रहा है और उपचारी वीमान के प्रबल असर भी बढ़ा रहा है। असर के बाद विनायक जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर एक विवर आयोजित की गयी जिसमें श्री संदीप तिवारी द्वारा प्रश्न पूछा गया और सभी छात्रों ने प्रतिवाच दिवस के विषय में जानकारी दी गई। अब रात के साथ-साथ दिन में भी अपर गिरावट करते हैं। असर के बाद विनायक जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 7 छात्र प्रत्युष तिवारी ने भी अपने विवर रखे। इस असर पर एक विवर आयोजित की गयी जिसमें श्री अखिलेश विश्वा की विषय में जानकारी दी गई। अब रात के साथ-साथ दिन में भी अपर गिरावट करते हैं। असर के बाद विनायक जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 9 छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 10 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 11 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 12 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 13 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 14 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 15 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 16 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 17 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 18 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 19 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 20 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 21 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 22 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 23 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 24 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 25 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 26 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 27 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 28 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 29 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 30 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 31 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 32 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 33 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 34 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 35 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 36 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 37 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 38 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 39 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 40 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 41 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 42 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 43 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 44 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 45 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 46 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर कक्षा 47 के छात्र अंतर्राजी अवृद्धक गांधी जी रहे विश्वाचार पर कक्षाएं भी अपने विवर रखे। इस असर पर

संपादक की कलम से

सर्दी में विशेष सावधानी बरतें डायबिटीज के मरीज

सर्दी के मौसम में डायबिटीज के मरीजों को अधिक सरक होकर अपने स्वास्थ्य का ज्यादा ध्यान रखना चाहिए। सर्दी में ब्रत त्योहार विशेषकर शारदीयों बहुतायत से होती है। इस अवसर पर होने वाकई पार्टीयां उच्च कैलोरी वाले खाद्य पदार्थों के साथ आपकी भोजन योजना को बद्धित कर सकती हैं। खराब मौसम में बाहर रहना और शारीरिक रूप से सक्रिय रहना भी कठिन हो सकता है। आपके भोजन और गतिविधि योजनाओं में व्यवधान से आपका रक्त शर्करा बढ़ सकता है। रोग नियन्त्रण और रोगीकथाम केंद्र; सीडीसीझ ने ठण्ड के मौसम में डायबिटीज रोगियों के अपनी रोजमरा की दिनचर्या और खानपान के लिए सचेत किया है। अपर्न एडवाइजरी में कहा है नियमित रूप से अपने रक्त शर्करा की जाँच करें यदि आप बीमार हैं या निम्न रक्त शर्करा के लक्षण हैं तो अधिक बार जाँच करें। सर्दी आपके हाथों को ठंडा कर सकती है जिससे परीक्षण अधिक दर्दनाक हो सकता है।

आइसीएमआर की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में डायबिटीज के मरीजों की संख्या 10१ करोड़ से ज्यादा है। वर्ष 2019 में यह संख्या 7 करोड़ थी। मसलन सिर्फ चार साल में 4 करोड़ भारतीय डायबिटीज के हो चुके हैं। खानपान और लाइफ स्टाइल में आये बदलाव के कारण यह रिपोर्ट बच्चे से बुजुर्ग तक को अपना शिकार बना रहा है। साइंस प्रिक्स लेसेन्ट के एक शोध के मुताबिक दुनिया में जितने मरीज हैं ए उसमें से 17 प्रतिशत से ज्यादा अकेले भारत में हैं आंकड़ों के मुताबिक भारत में अभी करीब 101 मिलियन ; 10 करोड़ द्वारा अधिक लोग डायबिटीज के चर्चेट में हैं। भारत की 11४ फीसदी आवादी डायबिटीज की चर्चेट में है आने वाले दिनों में यह संख्या और तेजी से बढ़ सकती है। ऐसे में इसे कंट्रोल करना बेहद जरूरी है। देश के कई राज्यों में डायबिटीज के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। डायबिटीज के मरीज लाइफस्टाइल और खानपान की स्थिति खरकर इससे छुटकारा पा सकते हैं। नींद की कमी से डायबिटीज की समस्या बढ़ सकती है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक अगर आप रोजाना अच्छी नींद ले रहे हैं तो ब्लड शुगर कंट्रोल रहता है और डायबिटीज का खतरा कम होता है।

भारत में डायबिटीज के मरीजों की संख्या हर रोज बढ़ रही है। लगभग 5 हजार 5 भारतीयों में से 2 भारतीय को डायबिटीज की समस्या है। डायबिटीज में ब्लड शुगर का लेवल हाई होने के कारण त्वचा सुअक होती है जिससे गरीब में मनना लाल धब्लो गलती होती है। नक्कासे जैसी देखते हैं।

है जिससे शरार में सूजनए लाल धब्बए खुजलाए चकत्त जसा चाज है जाती है। डायबिटीज एक ऐसी बीमारी है जिसे हम साइलेट किलर के तौर पर जानते थे मगर अब वह मेन किलर हो गई है। बच्चे से बुजुर्ग तक हर आयु का व्यक्ति इस बीमारी का शिकार हो रहा है। अस्पतालों और जाँच केंद्रों पर डायबिटीज के रोगी बड़ी संख्या में देखे जा रहे हैं। भारत में हर पांचवें व्यक्ति को इस बीमारी ने धेर रखा है। स्वस्थ व्यक्ति में खाने के पहले ब्लड में ग्लूकोस का लेवल 70 से 100 एमजी डीएल रहता है। खाने के बाद यह लेवल 120.140 एमजी डीएल हो जाता है और फिर धीरे, धीरे कम होता चला जाता है। मधुमेह हो जाने पर यह लेवल सामन्य नहीं हो पाता और बढ़ता जाता है।

भारत को डायबिटीज की खान कहा जाता है। डायबिटीज रोग वैश्विक और गैरण्सचारी महामारी का रूप धारण कर चुका है। भारत में व्यस्त एवं भागमभाग वाली जिंदगीए खानपान की खराबी तनावपूर्ण जीवनए स्थूल जीवन शैलीए शीतल पेय का सेवन एवं धूमपानए व्यायाम कम करने का आदत और जंक फुड का अधिक सेवनए मोटापा के कारण डायबिटीज का प्रकोप बढ़ रहा है। बच्चों का अब खेलकूद के प्रति रुझान घटन और मोबाइल कंप्यूटर खेलों की तरफ बढ़ना टीवी से चिपके रहना और जंक फूड खाने से बच्चे भी इस रोग के शिकार हो रहे हैं। डायबिटीज को खत्म तो नहीं किया जा सकता है पर उसे नियंत्रित अवश्य किया जा सकता है। इसके लिए कई इलाज है पर प्राकृतिक इलाज सबसे बेहतर है एवं जिसमे योग की बड़ी महत्ता है। रोज सुबह उठकर प्राणायामए व्यायाम व आसन करने से इस पर नियंत्रण किया जा सकता है।

विषम परिस्थितियां

जोवन को बड़ी परीक्षक

मेहनत पर विश्वास एवं निरंतरता रखनी होगी। तब जाकर ही जीवन सफलता के पल आपके सामने आएंगे हूँ निराशा, हताशा और हीन भाव

को कठोर श्रम के बलबूते पर ही विजय प्राप्त की जा सकती है। जीवन में उतार-चढ़ाव, कठिन समय और विषम परिस्थितियां आती ही रहती हैं। संकट का समय विषम परिस्थितियां जीवन के अलग-अलग पहलू हैं। इनसे जूझ कर जो आगे बढ़ाता है, वह उच्च मनोबल वाला साहसी व्यक्ति होता है। व्यक्ति के जीवन में साहस, उच्च मनोबल ही सफलता की कुर्ज़ी है। जिस भी व्यक्ति ने विषमताओं में रस्ता निकलने का साहस करके आगे बढ़ने का प्रयास किया है वही सफल हुआ है। हमेशा सफलता का मूल आत्मविश्वास, कठिन श्रम और उच्च आदर्श वाले व्यक्ति की प्रेरणा है। सफलता दिलाने वाली होती है।

मनुष्य को कभी भी किसी भी परिस्थिति में मन से हार नहीं माननी चाहिए। उसे सदैव प्रयासरत रहकर परिश्रम तथा जु़दारू पन से हर परिस्थिति का सामना कर सदैव अपने लक्ष्य के प्रति अग्रसर होते रहना चाहिए। मनुष्य को अपनी हार हार, हर प्राजय से कुछ ना कुछ सीख लेनी चाहिए एवं इससे अनुभव प्राप्त कर फिर से खड़ा होने एवं उस पराजित मनोदशा से छुटकारा पाकर फिर से लड़ने की ऊर्जा एवं शक्ति प्राप्त करनी चाहिए, यह सफलता का बड़ा मंत्र है। सर्वप्रथम मनुष्य अपने मनोबल से किन्हीं भी परिस्थितियों को जीतने का साहस रखता है, इसीलिए मनोबल मनुष्य की पहली आवश्यकता है। मनोबल ही साहस को जन्म देता है और साहस, आत्मबल को और आत्मबल से ही मनुष्य किन्हीं भी परिस्थितियों से जूँझा एवं टकराने की क्षमता पैदा करता है। जब मनुष्य के पास खोने के लिए कुछ ना हो तो वह निश्चिंत होकर साहस, क्षमता एवं संयम से आगे बढ़ने का प्रयास करता है, क्योंकि वह जानता है कि पीछे पलट कर उसके पास खोने के लिए कुछ ऐसी नहीं है, शिवाय आगे बढ़ने एवं सफलता के लिए अग्रसर होने के। मनुष्य का मनोबल एवं दृष्टि भी मनुष्य को सदैव आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देते रहते हैं। मनुष्य के जीवन का एक तथ्य और भी अत्यंत महत्वपूर्ण है वह है सकारात्मक सोच, जो उसे हमेशा आगे बढ़ने की ओर उत्साहित करता है। सकारात्मक सोच एवं किसी भी परिस्थिति को अपने नियंत्रण में लाने की सुनियोजित योजना मनुष्य में आशाओं को भर देती है एवं परिस्थितियों को चुनौती देने की क्षमता का विकास करती है। यह मनुष्य ही है जो हर परिस्थिति में साहस और मनोबल के दम पर उससे विजय प्राप्त करता है। मनुष्य के जीवन और पशु के जीवन में यही फक्त है कि मनुष्य के साथ आगे बढ़ने की क्षमता रखता है। मनुष्य मुस्कुराता, हँसता औंटी के साथ आगे बढ़ने की क्षमता रखता है। मनुष्य खिलखिलाता है। जबकि पशु में मुस्कुराने हंसने की क्षमता नहीं होती, औंटी यही कारण है कि मनुष्य ने विषम परिस्थितियों पर सदैव विजय प्राप्त करने का प्रयास किया है, वह काफी हद तक सफलता पाने में सफल भी हुआ है। मनुष्य यदि परिस्थितियों में अन्य प्रतियोगिताओं में, खेल में, या युद्ध में पराजित होकर भी प्रेरणा लेकर पुनः साहस के साथ पुनःतैयार होता है तो वह अपने वाले समय में सफलता का सही हकदार भी होता है, क्योंकि उसने पूर्ण क्षमता, साहस, मनोबल के साथ प्राजय को स्वीकार कर के उससे कुछ सीखने का प्रयास किया है। अपनी कमियों को दूर करने की हर संभवता को विशेष भी की है इस तरह वह अगली परीक्षा में जरूर सफल होता है औंटी यही मानव जीवन का सफल अध्याय भी होता है।

चुनावी-भ्रष्टा पर नियंत्रण के लिये जटायुवृत्ति जागे



भारत का सशक्त आर्थिक विकास में योग बन सके।

भ्रष्ट चुनाव से तो भ्रष्ट ननृत्य मिलेगा, ऐसी भ्रष्ट स्थितियों से के आर्थिक विकास में भी ही व्यापक होगी, शासन के अर्थिक चुनावियों खड़ी होगी तरह मुफ्त की योजनाओं गरिटियों से सिर्फ हमारा राजवाधा ही नहीं बढ़ेगा, ब्रैष्टाचार को पनपने का मौका मिलेगा। मतदाता यदि राजनीतिक दल की दूरगमी न विकास योजनाओं नजरअंदाज करके तात्कालाभ को प्राथमिकता देगा भविष्य में उसे इसकी चुकानी पड़ेगी। उम्मीदवारों पड़यंत्र एवं मतदाताओं के हमारी चुनाव प्रक्रिया को भी में डालत हैं। जाहिर बात है मुफ्तखोरी की संस्कृति के सत्ता में आने वाला नेता का में सरकारी संसाधनों के दोहरे अपनी प्राथमिकता बनायेगा धन उसने चुनाव के दौरान ब उसका कई गुना येन-केन-प्रव वसूलेगा। जिससे लोकतंत्र लूटतंत्र की मानसिकता प्रोत्साहन मिल सकता है। चुन मुफ्त रेवड़ी संस्कृति के चुनाव का अधिकाधिक ख होना भी गंभीर चिन्ता का विष

एक-एक प्रत्याशा चुनाव प्रकरण में करोड़ों रुपये व्यय करते हैं। यह धन उसे पूंजीपतियों उद्योगपतियों से मिलता है। चुनावी जीतने के बाद वे उद्योगपति उनके अनेक सुविधाएं जायज-नाजाहात तरीकों से प्राप्त करते हैं। कारण सरकार उनके शोषणा विरुद्ध कोई आवाज नहीं उठा पाता और अनैतिकता एवं भ्रष्टता परम्परा का सिंचन मिलता यथार्थ में देखा जाये तो जनता अर्थात् बन कर रह जाता है जिसके पास जितना अधिक वो होगा, वह उतने ही अधिक खरीद सकेगा। ऐसे में ईमान योग्य एवं कर्मठ लोगों का राजनीति में आने का रास्ता ही बन्द जायेगा। चुनावों में लगातार रही भ्रष्टता की नाजुक स्थिति व्यक्ति-व्यक्ति की जटायुवृत्ति जगाया जा सके, चुनावी भ्रष्टता के विरोध में एक शक्तिशाली समवेत स्वर उठ सके और स्वर को स्थायित्व मिल सके लोकतंत्र की जड़ों को सिंचन सकता है और ऐसे हालातों में हमारा अमृत-काल भी चुनाव प्रक्रिया के लिये भी अमृतमय सकता है। इस बार पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त पेशा के मामले में होड़ करता है।

मध्यम कद के शहरों का स्मार्ट सिटी में परिवर्तन , यथार्थ या केवल हवा की बातें

बड़े विदेशी शहरों की अनुरूप भारत में भी ऐसे बड़े शहरों की जरूरत महसूस हो रही है, जहां के निवासियों की सभी जरूरतों को त्वरित व तेजी से पूरा किया जा सके। ऐसे शहरों को स्मार्ट सिटी का नाम दिया जा रहा है। जिस शहर में सभी गुणवत्ता पूर्ण आम लोगों को सुविधाएं कम सेवा मूल्य पर और आसानी से उपलब्ध हो सके। जहां लोगों के जीवन यापन के तरीके इतने सुलभ व संतुलित हो की धूल प्रदूषण से मुक्त सड़कें, पानी, बिजली आसानी से उपलब्ध हो सकें, और वहां पर घर पहुंच घर में बैठे-बैठे इंटरनेट और सोशल

मीडिया पर क्षण भर में सभी प्रशासनिक सुविधाएं उपलब्ध हो सके। आम नागरिक जन सुविधाओं से स्वतंत्रता के बाद अब तक जूँझ रहा है, तो उसका त्वरित निराकरण संचार माध्यमों से हो सके। ऐसे स्मार्ट शहर की स्थापना किया जाना केंद्र सरकार का लक्ष्य बन गया है और क्या भारत की जनसंख्या की विशालता को देखते हुए, और भारत के मेट्रोपोलिटन शहरों की संघनता और जनसंख्या को दृष्टिगत रख इन्हें स्मार्ट सिटी में बदला जा सकता है? यदि सरकार और आम नागरिकों का दृढ़ निश्चय संकल्प हो, और आपसी सहयोग तथा सामंजस्य बेहतर तरीके से हो जाए तो भारत में स्मार्ट सिटी की परिकल्पना यथार्थ रूप भी ले सकती है। यदि दूसरे तरीके से और दूसरे नज़रिए से इस तथ्य को देखा जाए तो स्मार्ट सिटी में पर्याप्त बिजली, पानी, भोजन, घर आदि की उपलब्धता के साथ-साथ स्वास्थ्य, सुरक्षा, शिक्षा, मनोरंजन, यातायात की सुविधाएं भी आसानी से प्राप्त हो जाएं और आरामदायक जीवन से संबंध सभी आर्थिक गतिविधियों का संचालन सुचारू रूप से चलता रहे। ऐसी स्मार्ट सिटी यदि भारत में बन जाती है, तो भारत से ज्यादा विकासवान दूसरा भी नहीं हो सकता है। तो ऐसे शहर की परिकल्पना केवल दृढ़ संकल्प और सार्थक मेहनत के प्रतिफल के रूप में ही की जा सकती है। देश के प्रधानमंत्री ने पूर्व स्वतंत्रता पर भारत में 100 से ज्यादा को स्मार्ट सिटी बनाने की भी की है। और इसके लिए 9 हजार करोड़ रुपयों का बज़ प्रावधान भी रखा है। वै प्रधानमंत्री के इस स्वपिलि को मूर्त रूप देने के लिए शहरी विकास मंत्रालय द्वारा पूरा मैनुअल जारी किया गया। यह परियोजना आने वाले 10 मूर्त रूप लेगी। देश के 40 लाख अधिक आबादी वाले 9 शहर लाख से 40 लाख आबादी 44 शहरों, 5 लाख से 10 आबादी वाले 20 शहरों, राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेश राजधानियों के अंतर्गत आठे लाखभग 37 शहर सहित पर्याप्त धार्मिक विट्कोगण से महत्वपूर्ण शहरों को स्मार्ट सिटी बनाने की योजना बनाई गई है। नए प्रारूप में सर्वप्रथम शासन द्वारा दिल्ली, गुरु फरीदाबाद, इलाहाबाद, वालखनऊ, वाराणसी, देहरादून, हरिद्वार, बोधगया, भूटान, इंदौर, कोच्चि, जयपुर और असम को स्मार्ट सिटी के रूप में परिवर्तित करने का निर्णय लिया गया है। मैं स्मार्ट सिटी बनाने की इस परियोजना मैं विदेशी राष्ट्रों गहरी रुचि दिखाई दूँ। जावाराणसी शहर को एक विकसित सर्व सुविधा संपन्न

सिटी बनाने रुचि दिखाई है। कतर देश के प्रिंस शेख हमद बिन नासिर ने दिल्ली को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए 100 अरब रुपए की योजना बनाकर निवेश करने की इच्छा जताई है। नासिर जी ने अपने एक पार्टनर दिल्ली के नितेश शर्मा के साथ मिलकर देश में स्मार्ट शहरों की निर्माण हेतु एक लाख करोड़ रुपए निवेश करने का प्रावधान रखा है। सिंगापुर ने भी भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए सहयोग देने की बात कही है। उन्होंने चेन्नई बैंगलोर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के निकट एक लिटिल सिंगापुर विकसित करने की योजना बनाई है। भारत सरकार ने स्मार्ट सिटी पर होने वाले खर्च हेतु पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल की को प्राथमिकता देने की योजना भी बनाई है। पर स्मार्ट सिटी बनाते समय विशेष तौर पर केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत स्मार्ट सिटी में मांग प्रबंधन वित्तीय को ओपन ऊर्जा कुशलता सूचनाओं के आदान-प्रदान की समयानुकूल व्यवस्था के साथ न्यूनतम कचरा उत्पादन जैसी विशेषताओं का होना भी आवश्यक है। स्मार्ट सिटी में बाधा हीन कारोबार, गुणवत्ता परक जीवन के कारण तीव्र प्रति श्रद्धा की स्थिति मौजूद रहती है। ऐसे में जन सुरक्षा एवं नागरिक अधिकारों को भी साथ साथ जीवित रखना होगा। स्मार्ट शहरों को विध्वंसक करार्यों और चोरी डॉकैती आदि बचाने के लिए सुरक्षा व्यवस्था तहत सीसीटीवी की निगरानी में घटे रखा जाना होगा। इसके स्थान पर्यावरण संतुलन भी अत आवश्यक होगा। देश में बड़े संख्या में स्मार्ट सिटी स्थापित करने में निसंदेह भारत को विकसित होने की ओर अग्रसर होने में बहुत मिलेगी। देश में नए सिरे से रोजगार के अवसर भी खोजा जाएगा। इस नई परियोजना को मूर्ख रूप में कई विचार बाधाएं एवं चुनौती भी हैं। जनता निर्विवाद रूप कठिनाइयों से निपटने के बाद सपनों के शहर को बस बस आसान होगा। इन प्रोजेक्ट अमल में लाने के लिए शहरी तथा ग्रामीण कानूनों में भी परिवर्तन आवश्यक होगा। यदि देश प्रत्येक नागरिक सरकार के अधीन प्रोजेक्ट में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष से सहयोग देकर अपना योगदान देता तो निश्चय ही अगले दो दशकों भारत में सैकड़ों स्मार्ट सिटी निर्माण हो सकेगी। और आम नागरिकों जन सुविधाओं के साथ भारत विकसित राष्ट्र की श्रेणी में जाएगा।

संजीव ठाकुर, स्टंभकार, चिंतन लेखक, रायपुर छत्तीसगढ़ 9009 415 415,

डिजिटल शिक्षा से नोनीहालों का भविष्य तलाशता भारत,

भारत में विभिन्न विभागों में डिजिटलाइजेशन शुभ सकृत का तरह दिखाए दरहे हैं। विशेष तौर पर शिक्षा जगत तथा ब्रालक बालिकाओं के की डिजिटलाइजेशन एक वरदान की तरह होगा। कंप्यूटर तथा इंटरनेट के युग में आने वाले बच्चों की पीढ़ी को इसमें पारंगत होना अत्यंत आवश्यक है। वैश्विक स्तर पर भी बच्चों को प्रतिसर्थ्य हेतु इस विधि में विशेषज्ञता प्राप्त करनी होगी, तब जाकर हम रोजगार मूलक हो पाएंगे। वर्तमान में पिछले दो वर्षों से सबसे ज्यादा कोविड-19 के संक्रमण ने जीवन मृत्यु के बाद जिस क्षेत्र का सबसे ज्यादा नुकसान किया है वो शिक्षा जगत के क्षेत्र का ही है। तान वर्षों से स्कूल कॉलेज लगातार बंद और खुलते अरु रहे थेल मूल शिक्षा खासकर बच्चों के लिए समय बेकार ना जाए इसीलिए ऑनलाइन शिक्षा का प्रावधान देश में किया गया है। ऑनलाइन शिक्षा कंप्यूटर आधारित नेटवर्क से संलग्न होती है। इसके अंतर्गत विद्यार्थी तथा शिक्षक वीडियो के माध्यम से एक दूसरे से जुड़े होते हैं तथा लगातार लाभान्वित भी होते हैं। इसमें शिक्षक आभासी तार पर उपस्थित होते हैं एवं आभासी स्तर पर ही शिक्षा प्रदान की जाती है। आज ऑनलाइन शिक्षा लाइव वीडियो क्लासेस, रिकॉर्डिंग वीडियो क्लासेस, लाइव ऑनलाइन शिक्षा, ऑनलाइन टेस्ट और घर पर पी.डी.एफ आधारित ऑनलाइन शिक्षा प्रदान की जा रही है। ऑनलाइन शिक्षा में अनेक लाभ के साथ हानियों का भी समावेश है। ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से कक्षाओं का शिक्षण अधिक रोचक कथा संवादात्मक बनाया जा रहा है, जिससे बच्चे इस पर अधिक से अधिक ध्यान दे रहे हैं। इसके अलावा ऑनलाइन शिक्षक कोई भी कहीं भी कभी भी प्राप्त कर सकते हैं उदाहरण के लिए यात्रा के दौरान या किसी कारणवश अवकाश लेने पर छोटे हुए विषयों से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। ऑनलाइन क्लासेज के प्राप्ताहन से विद्यार्थी नए-नए ज्ञान की प्राप्ति कर सकते हैं, साथ ही शिक्षकों पर सक्षम, अद्यतन न होने और शिक्षकों की कमी के जो अरोप लगते हैं उसे भी दूर किया जा सकता है। वैसे भी भारत जैसे विशाल देश में पर्याप्त स्कूल कॉलेज नहीं हैं। ऑनलाइन शिक्षा के विकल्प से स्कूल कॉलेज कम होने का दबाव धीरे-धीरे कम होने लगेगा और स्कूल कॉलेज के दाखिले में अनिवार्यता भी धीरे-धीरे कम होने लगेगी। ऑनलाइन शिक्षा पर्यावरण की दृष्टि से लाभकारी है, करोना संक्रमण की दृष्टि से लाभकारी है, और आर्थिक रूप से भी आवागमन के खर्चों से बचत के रूप में देखा जा रहा है। ऑनलाइन विद्यार्थी स्वयं शिक्षा के स्तर को समझेंगे और यह भी समझेंगे कि उन्हें क्या पसंद है और किस क्षेत्र में उन्हें अगे जाकर शोध करना है या बड़ी डिग्री हासिल करना है। इससे ज्ञान की विविधता भी प्राप्त होती है। समय की बचत के साथ इसमें आर्थिक लाभ भी होता है। तीव्रता और गहनता की दृष्टि से ऑनलाइन शिक्षा काफी महत्वपूर्ण तथा प्रभाव कारी है। ऑनलाइन शिक्षा पाठ्यक्रम के लिए आवश्यक सूचनाएं एवं डाटा संग्रहण तीव्रता से होता है तथा सुजनशीलता की विविधता की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऑनलाइन शिक्षा में संवर्तेष्ठ विश्वविद्यालय विद्यालय और शिक्षकों को उपलब्धता भी छात्रों की मदद के लिए सहाय रहती है। दसरी तरफ ऑनलाइन शिक्षा से कई समस्याएं भी जुड़ी होती हैं। ऑनलाइन शिक्षा नेटवर्क कंप्यूटर पर आधारित होती है इसके लिए कई उपकरणों की जरूरत होती है जो काफी आर्थिक रूप से महंगे होते हैं। भारत जैसे देश में ऑनलाइन शिक्षा सबके लिए संभव नहीं है। विशाल जनसंख्या वाले देश में हर जगह कंप्यूटर नेटवर्क और मोबाइल की उपलब्धता इतनी आसान नहीं है, जिनमें की योजना बनाते समय कल्पना की गई थी। बच्चों की रचनात्मक क्षमता का भी इसमें नुकसान होता है क्योंकि पाठ्यक्रम से संबंधित सारी जानकारियां किताबों में ना खोजकर इंटरनेट के माध्यम से प्राप्त कर लेते हैं। उनमें जिज्ञासा का अभाव पैदा होने लगता है एवं रचनात्मकता भी खत्म होती है। ऑनलाइन शिक्षा में छोटे बच्चों को शारीरिक व्यायाम एवं शारीरिक कसरत का अभाव पैदा होने लगता है, छोटे बच्चों को खेलकूद वाली शिक्षा उनकी शारीरिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर दी जाती है पर ऑनलाइन शिक्षा में ऐसा संभव नहीं है। स्कूल कॉलेजों में नियमित शिक्षा कक्षाओं में बैठकर शिक्षकों के दबाव में अनुसासन में दी जाती है, जिससे एक साम्यता छात्रों में बनी रहती है पर ऑनलाइन शिक्षा में छात्र किसी भी नियम से न बंद कर खुलकर इंटरनेट का दुरुपयोग भी कर सकते हैं। भारतीय तथा विदेशी मनोवैज्ञानिकों के अनुसार ऑनलाइन शिक्षा अत्यंत तनावपूर्ण होती है।

चित्रकूट संदेश

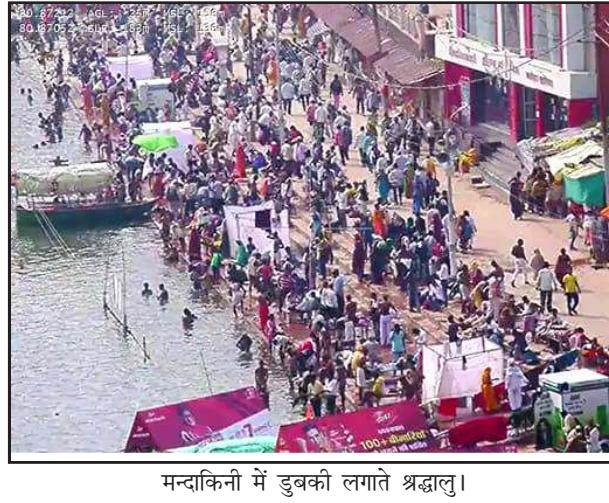
कार्तिक पूर्णिमा पर लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी, सभी मनोकामनायें होती हैं पूर्ण

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। कार्तिक पूर्णिमा पर मंदाकिनी किनारे श्रद्धालुओं का जन सैलाब उमड़ा। कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने मंदाकिनी नदी में डुबकी लगाकर भगवान कामतानाथ की पंचकोशी परिक्रमा लगाई।

सोमवार को मध्य-उप्र, छत्तीसगढ़, हरियाणा व अहमदाबाद से श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाने वहाँ आये।

मात्रता है कि भगवान श्रीराम वनवास काल में 11 वर्ष 11 महीना 11 दिन बिताए थे। भारत मंदिर के महत जीवनदास ने बताया कि



मंदाकिनी में डुबकी लगाते श्रद्धालु।

कामतानाथ की परिक्रमा करने से श्रद्धालुओं की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। चित्रकूट 84 कोस में बस है। वहाँ पर सभी देवता ऋषि आकर तपस्या की है। वहाँ पर भगवान राम के आने के पहले ब्रह्मा विष्णु महेश आकर मंदाकिनी किनारे पूजन अचन किया।

ब्रह्मा जी ने शिवलिंग स्थापित किया था। मंदाकिनी नदी का उद्धम अंति पती अनसुखा के तपोवन से हूँगा आ था। मंदाकिनी नदी चित्रकूट में है। इक स्वर्ण लोक में है। इसमें सानन करने से जन्म-जन्म के पाप मिट जाते हैं। राम-लक्ष्मण-सीता वनवास काल में इसी

मंदाकिनी नदी में डुबकी लगाकर पूजा अचना करते थे। मंदाकिनी किनारे राष्ट्रीय कवि गोस्वामी तुलसीदास जी ने रामचरितमानस की रचना की थी। श्रद्धालुओं को देखते हुए उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश प्रशासन द्वारा पूरी तरह से व्यवस्थाएं मूस्तैद की गई हैं।

परिक्रमा मात्रा में लगभग 400 सीसीटीटी कैमरे लगाए गए हैं। एक क्लोल घोड़े बैठकर निरागर करते हैं। मंदाकिनी किनारे भी लगभग 25 कैमरे लगाए हैं। वहाँ दूसरा कंट्रोल रूम बनाया गया है। सोमवार को यातायात निरीक्षक मोज कुमार ने कहा कि परिजनों से यातायात नियमों का पालन करने को कहें। दोपहिया वाहन चलाते समय हैलमेट का प्रयोग एवं परापरहिया का वाहन चलाते समय नीट बेल्ट का प्रयोग करें। नीट वींद में वाहन न चलाए। वाहन चलाते समय फोन का प्रयोग न करें। तेज रफतार में वाहन न

यातायात शिविर में वाहन चालकों की हुई जांच

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। यातायात माह पर पुलिस अधीक्षक श्रीमती बृंदा शुक्ला के निर्देश पर सड़क सुरक्षा जागरूकता में एसपी चक्रपाणि प्रियाठी व सीओ यातायात राजकमल की मौजूदाएँ प्रभारी यातायात निरीक्षक मोज कुमार की टीम ने स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से वाहन चालकों का निःशुल्क नेत्र परीक्षण कराया।

सोमवार को यातायात निरीक्षक मोज कुमार ने कहा कि परिजनों से यातायात नियमों का पालन करने को कहें। दोपहिया वाहन चलाते समय हैलमेट का प्रयोग एवं परापरहिया का वाहन चलाते समय नीट बेल्ट का प्रयोग करें। नीट वींद में वाहन न चलाए। वाहन चलाते समय फोन का प्रयोग न करें। तेज रफतार में वाहन न



शिविर में जांच करते डॉक्टर।

चलाए। निर्धारित गति सीमा में ही वाहन चलायें। बिना ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन न चलाए। 18 वर्ष आयु पूरी होने के बाद ड्राइविंग साइकिल व वाहन चालकों की जांच की गई।

साइकिल व वाहन से स्कूल आवेजाते समय हमेशा बांधी ओर चल, साइकिल से वाहन चलाए। इस मौके पर तामाच वाहन चालकों की जांच की गई।

अतीक-अशरफ के हृत्यारों पर रखें खास निगरानी: डीएम

अखंड भारत संदेश



कामागार का निरीक्षण करते डीएम-एसपी।

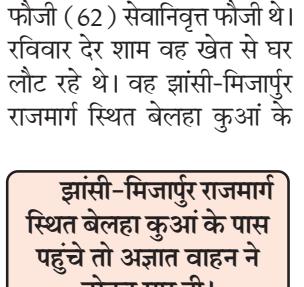
करवाई। अधीक्षक जिला कामागार के निर्देश दिये कि सीसीटीटी कैमरों का संचालन सही ढंग से होता रहे। इसका विषय ध्यान दें। मेन्यू के अनुसार नारा-भोजन कैटिवों को मिलना चाहिए। साफ-फाफी का विशेष ध्यान दें। ठंड को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर लें, ताकि कैटिवों ने भी सीमा व्यवस्था के नियमों के उल्लंघन नहीं किया।

इस दौरान उहाँने हाई सिक्योरिटी बैरक में कैद अतीक-अशरफ के हृत्यारों पर खास नियमों रखने के नियमों के अनुसार करवाई। इसका विशेष ध्यान दें। ठंड को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर लें, ताकि अतीक-अशरफ के हृत्यारों को नियमों के उल्लंघन के साथ सम्मान किया जाए।

सोमवार को डीएम-एसपी ने जिला कामागार के नियमों के अनुसार कामागार के नियमों के उल्लंघन के नियमों के अनुसार करवाई। इसका विशेष ध्यान दें।

अज्ञात वाहन की ठोकर से फौजी की मौत

अखंड भारत संदेश



फौजी (62) सेवनिवृत्त फौजी थे। रविवार देर शाम वह खेत से घर लौट रहे सेवनिवृत्त फौजी में अज्ञात वाहन की ठोकर लगने से वह घायल हो गये। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने उहाँ से खांचसी में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार बाल गंभीर दर्द के साथ यात्रा की जानकारी दी।

ये खांचसी मात्र थाना क्षेत्र के छिलकाला गांव के पास रविवार देर शाम हुआ। छिलकाला के उमाकांत वर्मा ने बताया कि पिता मुनीलाल

पास पहुंचे तो अज्ञात वाहन ने ठोकर कराया।

घायल होते ही चालक वाहन ने लेकर हाल बेहाल है।

पास पहुंचे तो अज्ञात वाहन ने ठोकर कराया।

घायल होते ही चालक वाहन ने लेकर हाल बेहाल है।

ये खांचसी मात्र थाना क्षेत्र के छिलकाला गांव के पास रविवार देर शाम हुआ। छिलकाला के उमाकांत वर्मा ने बताया कि पिता मुनीलाल

स्वास्थ्य केंद्र मठ में भर्ती कराया। डॉक्टरों के प्रयागराज रेफर करने पर ले जाए समय मूल्य हो गई। हादेस बाद परिजनों में कौंहराम मच गया। चार भाइयों में सबसे छोटे थे। उनके एक पुरुष व एक पुरुषी है। छोटी निधिया देवी का रो-रोकर हाल बेहाल है।

मृतक के पुत्र उमाकांत ने थाने में अज्ञात वाहन के खिलाफ तहरीर दी। थाना प्रभारी राजेश कुमार द्विवेदी ने बताया कि अज्ञात वाहन के खिलाफ तहरीर की जाए।

मृतक के पास उमाकांत ने थाने में अज्ञात वाहन के खिलाफ तहरीर दी। थाना प्रभारी राजेश कुमार द्विवेदी ने बताया कि अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। तलाश जारी रही।

सोमवार को यहाँ पहुंचे तो अज्ञात वाहन ने ठोकर कराया।

घायल होते ही चालक वाहन ने लेकर हाल बेहाल है।

ये खांचसी मात्र थाना क्षेत्र के छिलकाला गांव के पास रविवार देर शाम हुआ। छिलकाला के उमाकांत वर्मा ने बताया कि पिता मुनीलाल

पाक्सो-एससी-एसटी एक्ट का वारंटी दबोचा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती बृंदा शुक्ला के निर्देश पर यातायात नियमों के अनुसार राजमार्ग डीएम-प्रियाठी कैमरों के संचालन सही ढंग से होता रहे। इसका विषय ध्यान दें। मेन्यू के अनुसार नारा-भोजन कैटिवों को मिलना चाहिए। साफ-फाफी का विशेष ध्यान दें। ठंड को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर लें, ताकि कैटिवों ने भी सीमा व्यवस्था के नियमों के उल्लंघन के साथ सम्मान किया जाए।

सोमवार को डीएम-एसपी ने जिला कामागार के नियमों के उल्लंघन के नियमों के अनुसार करवाई। इसका विशेष ध्यान दें।

सोमवार को डीएम-एसपी ने जिला कामागार के नियमों के उल्लंघन के नियमों के अनुसार करवाई। इसका विशेष ध्यान दें।

सोमवार को डीएम-एसपी ने जिला कामागार के नियमों के उल्लंघन के नियमों के अनुसार करवाई। इसका विशेष ध्यान दें।

सोमवार को डीएम-एसपी ने जिला कामागार के नियमों के उल्लंघन के नियमों के अनुसार करवाई। इसका विशेष ध्यान दें।

सोमवार को डीएम-एसपी ने जिला कामागार के नियमों के उल्लंघन के नियमों के अनुसार करवाई। इसका विशेष ध्यान दें।

सोमवार को डीएम-एसपी ने जिला कामागार के नियमों के उल्लंघन के नियमों के अनुसार करवाई। इसका विशेष ध्यान दें।

सोमवार को डीएम-एसपी ने जिला कामागार के नियमों के उल्लंघन के नियमों के अनुसार करवाई। इसका विशेष ध्यान दें।

सोमवार को डीएम-एसपी ने जिला कामागार के नियमों के उल्लंघन के नियमों के अनुसार करवाई। इसका विशेष ध्यान दें।

